सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, शनिवार, 18 अक्टूबर, 2025
वर्ष: 02, अंक: 276, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

इनसाइड राहुल गांधी की यात्रा में उठा विवाद हत्यारोपी की कार... » Pg06

समूचा पाकिस्तान ब्रह्मोस की रेंज में... » Pg12

दिल्ली के ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में शनिदेव का प्रकोप

भीषण आग की लपटों में घिरे सांसदों के फ्लैट

संसद से 200 मीटर की दूरी पर हैं राज्यसभा-लोकसभा एमपी आवास, बुझाने में जुटीं दमकल की छह गाड़ियां

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

नई दिल्ली इलाके के विशंभर दास रोड स्थित ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। आज शनिवार दोपहर यह भयानक हादसा घटित हुआ। यहां पर राज्यसभा-लोकसभा सांसदों के निवास बताए जाते हैं। बताया जा रहा है कि आग ग्राउंड फ्लोर पर लगनी शुरू हुई जो सातवीं-आठवीं मंजिल तक पहुंच गई। फिलहाल तीन लोगों के आग में झुलसने का पता चला है और तीन लोगों को बचाने की बात कही जा रही है। बचाव दल और दमकल की कई छह गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मिली जानकारी के अनुसार, शुरुआती 3 मंजिल में सर्वेंट क्वार्टर हैं उसके बाद एमपी रहते हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, फायर ब्रिगेड की गाड़ियां करीब आधा घंटा देरी से आई थीं। फ्लैट्स में आग बुझाने का जो सिस्टम लगा हुआ है वह बिल्कुल काम नहीं कर रहा था, उसमें बिल्कुल भी पानी नहीं था। फिलहाल आग बुझाने का काम जारी है। दमकल विभाग को आग लगने की सूचना एक बजकर 20 मिनट पर मिली थी। जिसके आधे घंटे बाद दमकल विभान ने घटनास्थल पर गाड़ियां भेजीं और आग बुझाने का काम शुरू हुआ।

जानकारी के मुताबिक जिस जगह ये आग लगी है वहा लोकसभा और राज्य सभा सांसदों के आवास बताए जा रहे हैं। हालांकि ये आग कैसे लगी, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। घटनास्थल से जो तस्वीरें और वीडियो फोटो सामने आई हैं, उसमें दिखाई दे रहा है कि पुलिस लोगों को बाहर निकलने का आग्रह कर रहे हैं। काफी सारे लोग ग्राउंड फ्लोर के बाहर एकत्रित हैं।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक इस बिल्डिंग का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2020 में किया था। जानकारी के मुताबिक ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट्स सांसदों के लिए एक आवासीय परिसर है, जो नई दिल्ली में डॉ. बिशम्भर दास मार्ग पर स्थित है। आग लगने के बाद वहां रह रहे लोगों में दहशत फैल गई है।

आग बिल्डिंग की ऊपरी मंजिलों में से एक में लगी है, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई। यह आवासीय बिल्डिंग संसद भवन से केवल 200 मीटर की दूरी पर बताई जा रही है।

तीसरी मंजिल पर रह रहे निवासी ने बयां की पीड़ा

अपार्टमेंट के निवासी विनोद ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आधा घंटा पहले गिफ्ट अंदर रखकर गया था। मेरा कुत्ता अंदर फंस गया। मेरी बेटी की शादी कुछ ही महीनों में होने वाली है और जो भी गहने, सोना और कपड़े हमने खरीदे थे, वे भी अंदर हैं। मेरी पत्नी और मेरा एक बच्चा भी झुलस गया। वे अस्पताल में हैं। हमें नहीं पता कि आग कैसे लगी। मेरा घर तीसरी मंजिल पर है। हालांकि कुछ खबरों के अनुसार किसी पटाखे को चलाए जाने पर उठी चिंगारी को इस आग का कारण बताया जा रहा है।

सपा में शामिल हुए कई नेता, अखिलेश ने किया स्वागत

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

यूपी के लखनऊ में स्थित सपा मुख्यालय में शनिवार को कई नेता समाजवादी पार्टी से जुड़ गए हैं। नेताओं को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सपा में शामिल करते हुए स्वागत किया। साथ ही अखिलेश यादव ने कार्यकताओं, समर्थकों और जनता को धनतेरस और दीपावली की बधाई भी दी।

अखिलेश यादव ने इस दौरान संबोधित करते हुए कहा कि धनतेरस व दीपावली की बधाई। पीडीए के सामाजिक आंदोलन, बाबा साहब के आंदोलन के लिए बहुत से लोग जुड़ रहे हैं। सपा का लक्ष्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं बल्कि न्याय और सामाजिक समानता की स्थापना करना है। अखिलेश ने चुटकी लेते हुए कहा कि हमें जो उपहार में मुकट पहनाए जाते हैं वो सम्मान लायक ही होते हैं, कई बार गला के देख चुके हैं, उसमें सोना नहीं मिलता।

कचहरी में छठवें तल से कूदी महिला की मौत

कोर्ट में स्टेनो थी,सीपी ने किया निरीक्षण, जांच शुरू

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में कचहरी में छठवें तल से कूदी महिला की उर्सला अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस कमिश्नर ने मौके का निरीक्षण किया और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्रित किए हैं।

कानपुर के कचहरी परिसर में एक महिला ने छठवें तल से कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया, जिससे परिसर में हड़कंप मच गया। महिला को गंभीर हालत में आनन फानन उर्सला अस्पताल भेजा गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर स्वयं जांच के लिए मौके पर पहुंचे।सीपी द्वारा जांच पड़ताल की गई है। वहीं, फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किए हैं। मृतका की शिनाख्त नेहा के रूप में हुई है, जो सिविल कोर्ट सीनियर डिवीजन की मुख्य अदालत न्यायाधीश अमर प्रताप चौधरी की कोर्ट में स्टेनो है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शिखर पर सराफा... खनकेगा बाजार, सिक्कों-गहनों की जबरदस्त मांग

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बाजार धनतेरस के लिए सजकर तैयार हैं। रिकॉर्ड कीमतों के बावजूद 265 करोड़ के सराफा कारोबार का अनुमान है। ऑटोमोबाइल में जीएसटी छूट के कारण पांच हजार से ज्यादा कारों और इलेक्ट्रॉनिक्स में 43 इंच की टीवी तथा कॉम्बो पैकों की जमकर मांग है।कानपुर में पांच दिवसीय दिवाली पर्व की शुरुआत शनिवार को धनतेरस से हो जाएगी। पर्व के लिए अलग-अलग बाजारों के शोरूमों को दुल्हन की तरह सजाया गया है। सराफा, ऑटोमोबाइल, बर्तन, इलेक्ट्रानिक्स, मेवा, फर्नीचर, कपड़ा के अलावा झालरों के बाजारों में जमकर कारोबार का अनुमान है। सोने-चांदी के दाम अब तक के उच्चतम स्तर पर होने के बाद भी सराफा में 265 करोड़ के कारोबार का अनुमान लगाया गया है। ठोस सोना-चांदी के अलावा सिक्कों की बहुत अच्छी मांग है।पांच हजार किलो चांदी और 125 किलो सोना बिकने का अनुमान लगाया गया। चांदी का भाव शुक्रवार को प्रति किलो 1,77,000 रहा। सोने का भाव प्रति 10 ग्राम 1,33,900 रुपये हो गया। इसके बावजूद धनतेरस पर 169 करोड़ का सोना और 87 करोड़ की चांदी बिकने का अनुमान जताया गया है। सराफा बाजार में सोने के एक ग्राम से लेकर 100 ग्राम तक के सोने के सिक्कों की मांग है। गणेश-लक्ष्मी, गजराज, लड्डूगोपाल, दीपक, स्वास्तिक, कलश के अलावा फैंसी पायल, सिंहासन, ज्वैलरी बॉक्स, अखंड ज्योति, ड्राई फ्रूट बाउल चांदी में आए हैं।चांदी के नोट भी मांग में हैं। अलग-अलग भार वाले सोने-चांदी के गणेश लक्ष्मी, राधाकृष्ण, दुर्गा, हनुमान, राम दरबार के साथ ही बर्तनों की भी मांग है।

लक्ष्मी जी पहनेंगी सतरंगी लहंगा

गणेश जी की नगीनों से जड़ित धोती

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। दीपावली पर तो नए कपड़ों और फैशनेबल चीजों से सभी कोई जहां सजने के लिए तैयारी कर रहा है, वहीं पूजन के लिए भगवान गणेश-लक्ष्मी को भी फैशनेबल कपड़ों और आर्टिफिशियल ज्वैलरी से खूब सजाया जा रहा है। बदलते दौर में अब बाजार में भगवान गणेश-लक्ष्मी भी सजे-धजे मिल रहे हैं। सजावट ऐसी कि हर कोई कह दे कि कहीं भगवान को नजर न लग जाए।

सजे-धजे गणेश-लक्ष्मी को बाजार में पहली बार उपलब्ध कराने वाले शिवाला के गोपाल गुडिय़ावाला ने यह कान्सेप्ट बाजार को दिया। अब नवीन मार्केट में उनका शोरूम भव्य गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति लेने वालों को बेहद आकर्षित कर रहा है।

उनके शोरूम में 500 रुपये से लेकर 5 हजार तक की मूर्तियां उपलब्ध हैं। जिनको बेहद कारीगरी से संवारा गया है।

शोरूम में यश अग्रवाल ने बताया कि हर साल भगवान गणेश-लक्ष्मी की पोशाक में बदलाव आता रहता है। इस वर्ष जरीदार लहंगा लक्ष्मी जी के लिए बनाया गया है। इसमें कई तरह के रंगों का प्रयोग किया है, जिससे इसकी सुंदरता और बढ़ गई है। इसी तरह गणेश जी के लिए धोती में आर्टिफिशियल नगों को लगाए जाने से उनकी रंगत और खिल गई। इस बार खास बात यह है कि लोग भगवान गणेश-लक्ष्मी की पोशाक में

लाल व पीला की जगह अन्य चटकीले रंगों की

» बाजार में लगातार बढ़ती जा रही है सजी-धजी गणेश-मूर्ति की डिमांड

» भगवान की पोशाकों में लोग कई तरह के चटकीले रंग को पसंद कर रहे

पोशाक बहुत पसंद कर रहे हैं। भगवान को सजाने के लिए मुकुट, कड़ा व अन्य जेवरों में इस बार कई नई वैरायटी आईं हैं, जो लोगों की पसंद बन रहे हैं।

दीपावली पर घुली मिठास, मिठाई दुकान में लगी ग्राहकों की भीड़

» गोविंद नगर से बिरहाना रोड तक सैकड़ों मिठाई दुकानों पर जमकर हो रही खरीदारी

» परंपरा और ट्रेंड का संगम लड्डू, बर्फी और अब चॉकलेट गिफ्ट पैक बने नई पहचान

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। दीपावली का पंचदिवसीय त्योहार आज धनतेरस के साथ शुरू हो गया। इस मौके पर शहर की गलियां अब मिठास और रौनक से सराबोर हैं।

दीपों की जगमगाहट के साथ-साथ इस त्यौहार का असली स्वाद तो मिठाइयों से ही है। कानपुर के बाजारों में इन दिनों लड्डू, बर्फी, काजू कतली, गुलाब जामुन और चॉकलेट मावा बाइट्स जैसी स्वादिष्ट मिठाइयों की खुशबू फैली हुई है। गोविंद नगर, किदवई नगर और बिरहाना रोड पर मिठाई की दुकानों में लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

खासतौर पर बिरहाना रोड, जो अपने ज्वैलरी बाजार के लिए प्रसिद्ध है, वहां अब मिठाइयों की दुकानों पर भी ग्राहकों की लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं। दुकानदारों का कहना है कि इस बार लोगों में उत्साह पहले से कहीं ज्यादा है और देसी घी वाली मिठाइयों की मांग बढ़ी है। एक मिठाई व्यापारी ने बताया इस बार ग्राहकों की सबसे ज्यादा पसंद काजू कतली और चॉकलेट बर्फी है। लोग पारंपरिक मिठाइयों के साथ कुछ नया भी आजमाना चाहते हैं।

चॉकलेट ने भी बनाई जगह

बदलते दौर में अब मिठाइयों के साथ चॉकलेट गिफ्ट पैक और डेजर्ट बॉक्स भी त्योहार की शान बन गए हैं। शहर के नवयुवक अपने प्रियजनों को चॉकलेट और ड्राई फ्रूट हैंपर भेंट कर रहे हैं।

बिल्हौर में तीन गांवों से हटे अवैध कब्जे

राजस्व विभाग ने दिखाई सख्ती, दीवार गिराकर चकमार्ग कराया गया मुक्त

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया न्यूज।

बिल्हौर(कानपुर)। बीते शुक्रवार को राजस्व विभाग ने तहसील क्षेत्र के तीन गांवों में अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई की। राजस्व टीमों ने पुलिस बल की मौजूदगी में सरकारी और पट्टेदारों की भूमि कब्जा मुक्त कराई।

पहली कार्रवाई ग्राम बहरमापुर में की गई, जहाँ चार पट्टेदारों की जमीन पर किए गए अवैध कब्जे हटवाकर भूमि का कब्जा वास्तविक पट्टेदारों को दिलाया गया। कार्रवाई नायब तहसीलदार शिवराजपुर की निगरानी में शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई। दूसरे चरण में ग्राम पिहानीमजबूत नगर में करीब 50 साल पुराने कब्जे को हटाया गया। यहां राजस्व अभिलेखों में दर्ज चकमार्ग (आराजी संख्या 130, रकबा 0.1130 हेक्टेयर) को मुक्त कराया गया।

नायब तहसीलदार बिल्हौर सीपी राजपूत ने मौके पर निर्देश दिए कि भविष्य में मार्ग की मेड तोड़ने या अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। तीसरी कार्रवाई ग्राम गौरीअभयपुर और बिलहन में हुई, जहाँ राजस्व निरीक्षक शिवराजपुर के नेतृत्व में टीम ने चकमार्ग और नाली की भूमि को सीमांकित कर कब्जा मुक्त कराया। ग्राम बिलहन में सरकारी (नवीन परती) भूमि पर बनाई जा रही दीवार भी गिरवा दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि पात्र लाभार्थियों को उनकी भूमि का हक दिलाना शासन और प्रशासन की प्राथमिकता है और आगे भी ऐसी कार्रवाईयां जारी रहेंगी।एक दिन में हुई यह तीनों कार्यवाही से हड़कम मच गया।

क्या यही अच्छे दिन हैं? हाथों में तख्तियां लिए सड़कों पर उतरे सपाई

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया न्यूज।

बिल्हौर (कानपुर)। बढ़ती महंगाई और जीवन यापन की मुश्किलों को लेकर शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता क्या यही अच्छे दिन हैं? लिखी तख्तियां हाथों में लिए सड़कों पर उतरे। बिल्हौर तहसील में सपा नेताओं ने नारेबाजी करते हुए विरोध जताया और उप जिलाधिकारी डॉ. संजीव दीक्षित को राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

» राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

सपा के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष इंजीनियर विनय सिंह यादव के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना की धनराशि बढ़ाकर 5 लाख रुपए करने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से 2025 के बीच निर्माण सामग्री, खाद्य पदार्थों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में कई गुना बढ़ोतरी हुई है। मौजूदा स्थिति में गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए 1.20 लाख में घर बनाना संभव नहीं है।

विनय यादव ने कहा, महंगाई ने जनता की कमर तोड़ दी है। सरकार अगर वाकई अच्छे दिन दिखाना चाहती है, तो योजनाओं की राशि बढ़ाए ताकि लोग छत का सपना पूरा कर सकें। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि वर्ष 2014 में सोने की कीमत 30,000 प्रति 10 ग्राम थी, जो अब 1.32 लाख प्रति 10 ग्राम तक पहुंच चुकी है। यह आंकड़ा बताता है कि पिछले एक दशक में महंगाई कितनी तेज़ी से बढ़ी है।

इस मौके पर सपा की पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम, ब्लॉक अध्यक्ष आशीष कटियार, गंगाराम दोहरे, राजा दुबे, रामकुमार गौतम, आशीष यादव, वीरेंद्र वर्मा, राजू पाल, शादाब के.के. और अंशुमान सिंह यादव समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चमकती दिवाली पर मंदा बाजार- बिक्री घटने से परेशान व्यापारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। रोशनी के पर्व दीपावली में अब सिर्फ दो दिन बाकी हैं, मगर इस बार बाजारों में पहले की तरह त्योहार जैसा उत्साह नजर नहीं आ रहा। दुकानदार दिनभर दुकानें सजाकर बैठते हैं, लेकिन ग्राहकों की आवाजाही बेहद कम है। महंगाई और मंदी की दोहरी मार से व्यापारी वर्ग मायूस हैं।

मिठाई, कपड़ा, सजावटी सामान और इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानों पर भीड़ न के बराबर है। व्यापारियों का कहना है कि लगातार बढ़ती कीमतें और ऑनलाइन खरीदारी की होड़ से व्यापार पर सीधा असर पड़ा है।मिठाई कारोबारी ने बताया, दिवाली से दो दिन पहले तक जो भीड़ होती थी, वह अब कहीं नहीं दिख रही। बिक्री में करीब 40 प्रतिशत की गिरावट आई है।

कपड़ा व्यापारी आशिफ उर्फ दीपू, गिरजा शंकर मिश्रा, दानिश ने कहा, त्योहार के दो दिन पहले भी ग्राहक कम हैं। लोग बस जरूरत भर का सामान ले रहे हैं, शौक की खरीदारी बंद हो गई है।

वहीं, कुछ व्यापारियों का कहना है कि किसानों की बदहाली ने भी बाजार की हालत बिगाड़ दी है। आलू सस्ता है, किसान परेशान हैं। जब गाँव का किसान ही खाली जेब रहेगा तो उसका असर बाजार में तो पड़ेगा ही।स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि महंगाई, ऑनलाइन शॉपिंग और कमजोर आमदनी – तीनों वजहों से इस बार दिवाली का कारोबार कमजोर रहा है।

अब व्यापारी वर्ग की उम्मीदें आने वाले शादी-ब्याह के सीजन पर टिकी हैं।लोग अब आगे की साहलग के भरोसे बैठे हैं, दुकानदारों का कहना है। उन्हें उम्मीद है कि नवंबर-दिसंबर के विवाह समारोहों में कारोबार की रौनक लौटेगी। दीपावली त्योहार के दो दिन शेष हैं, पर बाजारों में सन्नाटा पसरा है। दीपावली की रोशनी भले ही हर घर को जगमगाए, मगर इस बार व्यापारियों के चेहरों की चमक मंदी की छाया में धुंधला गई है।

कार्यालय ग्राम पंचायत हैदरपुर विकास खण्ड मलासा कानपुर देहात

पत्रांक मे. मो/ सचिव / ग्राम पंचायत। निर्माण कार्य 2025-26 दिनांक - 18/10/2025

अल्प कालीन निविदा सूचना / विज्ञप्ति

ग्राम पंचायत हैदरपुर के अन्तर्गत राज्य वित्त / केन्द्रीय वित्त के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025-26 की स्वीकृत कार्य योजना के अत्तर्गत निर्माण कार्य में प्रयुक्त मुहरबन्द निविदाएं दिनांक-18/10/2025 से 24/10/2025 तक कार्यालय दिवस में प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक क्रय किये जा सकते है। एव निविदायें पेटी में जमा की जा सकेगी निविदायें दिनांक 24/10/2025 को अपराहन 3.0 बजे पंचायत भवन में खोली जायेंगी।

क्रम संख्या	कार्य का नाम	दूरी	अनुमानित लागत लाख	अवधि
1.	रामकिशोर के घर से अनुराधा के घर तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य।	50 मीटर	293000	1 माह
2.	आनंद के घर से गेंदा के घर तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य।	50 मीटर	289000	1 माह

प्रधान
ग्राम पंचायत हैदरपुर
विकास खंड मलासा

सचिव
ग्राम पंचायत हैदरपुर
विकास खंड मलासा

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

05

कानपुर,शनिवार 18 अक्टूबर , 2025

सम्पादकीय

ग्रीन पटाखों के साथ संयम भी जरूरी

दिवाली मनाने के उत्साही लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्वच्छ हवा बनाए रखने व प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारे संयम व जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हमारी राष्ट्रीय राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। दुनिया के बीस शीर्ष प्रदूषित शहरों में करीब आधे भारत में हैं। पर्व, आस्था व विश्वास अपनी जगह हैं, लेकिन प्राणवायु का स्वच्छ रहना लाखों लोगों के जीवन का प्रश्न भी है। यही वजह है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीपावली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी है, जिससे हमारी आस्था का सम्मान हो सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो। निस्संदेह, कोर्ट के फैसले से वे लोग उत्साहित होंगे, जो ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहते थे। लेकिन इसका एक पक्ष यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग इससे निराश हो सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की चिंता वाजिब है। अक्सर देखा जाता है कि ग्रीन पटाखे जलाने वालों पर नियामक एजेंसियां निगरानी नहीं रख पाती हैं। चिंता की बात यह भी है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर घातक पटाखे भी जलाए जा सकते हैं। विगत के अनुभव बताते हैं कि अदालती रोक के बावजूद त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई थी। दरअसल, कुछ लोगों की दलील थी कि पर्व विशेष पर ही प्रदूषण के नाम पर रोक लगाई जाती है, जिससे त्योहार का रंग फीका हो जाता है। कुछ लोगों ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना लिया। लेकिन सवाल यह है कि यह कैसे सुनिश्चित हो पाएगा कि ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचे जा सकें। हमारी निगरानी करने वाली एजेंसियों व विभागों की कारगुजारियोंपर अक्सर सवालिया निशान लगाए जाते हैं। वैसे एक हकीकत यह भी है कि हर गली-मोहल्ले की दुकानों में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की निगरानी कर पाना व्यावहारिक भी नहीं है। इस बात को लेकर अक्सर बहस होती रही है कि परंपरागत रूप से दिवाली में पटाखों की अनिवार्यता नहीं रही है। निस्संदेह, दीप पर्व उजाले का उत्सव है, ताकि धरा पर कहीं अंधेरा न रह जाए, गरीब की झोपड़ी भी रोशन हो, समृद्धि हर घर तक पहुंचे। सही मायनों में पर्व सामूहिकता की भावना पर केंद्रित होते हैं। ऐसे में यदि हम घातक पटाखे जलाकर श्वास रोगों से पीड़ित मरीजों से लेकर आम आदमी को मुश्किल में डाल दें, तो यह पर्व का मर्म नहीं कहा जा सकता। वैसे ग्रीन पटाखों के बारे में भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि उनके उत्पादन के दौरान निर्धारित मानकों का पालन किया गया हो। पटाखे जिस गुणवत्ता से बनते और बिकते हैं, कहना मुश्किल ही है कि वे वास्तव में पर्यावरण के अनुकूल होंगे। वैसे यह भी हकीकत है कि दिल्ली में हर साल ठंड की दस्तक के साथ बढ़ने वाले घातक प्रदूषण के लिए सिर्फ पटाखे ही जिम्मेदार नहीं होते।

कृत्रिम बारिश योजना में खाद्य संकट के जोखिम

ज्योति मल्होत्रा

दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण कम करने के लिए कृत्रिम बारिश करवाने की योजना जहां फसलों व खेती के लिए नुकसानेह है वहीं इसके नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभावों की भी आशंका कम नहीं। इसमें खाद्य सुरक्षा के लिए भी जोखिम हैं। अव्यावहारिक योजनाओं के बजाय प्रदूषण नियंत्रण के वैज्ञानिक समाधान अपनाने चाहिए। दिवाली उत्सव पर प्रतिवर्ष की जाने वाली आतिशबाज़ी से गंभीर वायु प्रदूषण उत्पन्न होता है। इसे कम करने के लिए इस साल दिल्ली सरकार ने दिवाली के अगले दिन कृत्रिम बारिश दके जरिये मौसम का मिज़ाज बदलने की योजना बनाई है, जिससे खरीफ फसलों की कटाई-गहाई और रबी की बुआई पर असर पड़ने की आशंका है, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा साबित हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि सामान्य प्राकृतिक वर्षा तब होती है जब सूरज की गर्मी से नम हवा गर्म और हल्की होकर ऊपर उठती है। ऊपर उठी हुई हवा का दबाव कम हो जाता है और आसमान में एक ऊंचाई पर पहुंचने के बाद वह ठंडी हो जाती है। जब इस हवा में सघनता बढ़ जाती है तो वर्षा की बूंदें बड़ी होकर हवा में देर तक नहीं ठहर पातीं और बारिश के रूप में नीचे गिरने लगती हैं। लेकिन कृत्रिम वर्षा करने के लिए सिल्वर आयोडाइड और सूखी बर्फ जैसे ठंडा करने वाले रसायनों का प्रयोग करके कृत्रिम बादल बनाकर वर्षा करवाई जाती है।मानव-निर्मित गतिविधियों के जरिये कृत्रिम बादल बनाने और फिर उनसे वर्षा कराने की क्रिया को 'क्लाउड सीडिंग' कहा जाता है। हालांकि, क्लाउड सीडिंग के कई फायदे हैं, लेकिन मौसम परिवर्तन की यह तकनीक पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। इसके नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभावों में जल और वायु प्रदूषण, पारिस्थितिक तंत्र का विघटन, असामान्य मौसम परिवर्तन और मिट्टी व पानी में रसायनों का जमाव शामिल है। इसके उपयोग से सिल्वर आयोडाइड जैसे हानिकारक रसायन हवा, पानी और मिट्टी में मिल सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं, और पड़ोसी क्षेत्रों में वर्षा में कमी या अत्यधिक वर्षा व बाढ़ जैसे दुष्प्रभाव भी हो सकते ह कृत्रिम वर्षा से प्राकृतिक मौसम चक्र बाधित हो सकता है, जिसस शित सूखा या अति वर्षा की स्थिति बन सकती है और किसानों व पारिस्थितिकी तंत्र पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। मौसम के संतुलन में बदलाव के दीर्घकालिक अवांछित प्रभाव हो सकते हैं, जिन्हें अभी मौसम वैज्ञानिक पूरी तरह समझ नहीं पाए। राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण लगभग पूरे वर्ष बना रहता है,और तापमान कम होने के कारण पृथ्वी की सतह पर वायु प्रदूषण का घनत्व बढ़ जाता है। पराली जलाने के अलावा, दिल्ली के वायु प्रदूषण के लिए अन्य कारक—वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण कार्य से उठने वाली धूल आदि मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। प्रदूषण में पराली जलाने की महीनेवार हिस्सेदारी अलग-अलग होती है। नवंबर में यह लगभग 30 प्रतिशत और बाकी महीनों में मात्र 0ङ्क5 प्रतिशत तक सीमित रहती है। अतः वायु प्रदूषण के लिए वाहन, उद्योग और निर्माण कार्य जैसे स्थानीय कारक अधिक जिम्मेदार हो सकते हैं। है बड़ी आफत, चाहत को न मिली राहतउल्लेखनीय है कि इस वर्ष सर्वोच्च अदालत ने पराली जलाने से रोकने के लिए किसानों को जेल और भारी जुर्माना लगाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। जबकि दिल्ली सरकार की मांग के अनुरूप दिल्लीवासियों को दिवाली पर पटाखे जलाने की अनुमति देना वायु प्रदूषण रोकने की सरकारी नीति में विरोधाभास प्रतीत होता है। निस्संदेह, वायु प्रदूषण पर्यावरण और मानव जीवन के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है, लेकिन वायु प्रदूषण रोकथाम के अब तक के सरकारी प्रयास कम व्यावहारिक और नाकाफी साबित हुए हैं। इसी कड़ी में दिवाली के अगले दिन दिल्ली सरकार की कृत्रिम बारिश की योजना अव्यावहारिक ही नहीं, बल्कि देश की कृषि और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हो सकती है।

विवेक का इस्तेमाल कर अपना प्रतिनिधि चुने मतदाता

राजनीतिक

ज्वाला सिंह दास

नेताओं पर लगे आरोपों की जांच का काम अदालत का है, पर ऐसे नेताओं को समर्थन न देने का दायित्व और अधिकार मतदाता के पास ही है। इस अधिकार का ईमानदार उपयोग होना ही चाहिए। यह दायित्व भी मतदाता का...नेताओं पर लगे आरोपों की जांच का काम अदालत का है, पर ऐसे नेताओं को समर्थन न देने का दायित्व और अधिकार मतदाता के पास ही है। इस अधिकार का ईमानदार उपयोग होना ही चाहिए। यह दायित्व भी मतदाता का ही बनता है कि वह अपने विवेक की छलनी का उपयोग करके आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को राजनीति से बाहर रखे।

अपराध अपराध ही होता है चाहे छोटा हो या बड़ा, लेकिन राजनीति की दुनिया में अपराध को अपराध ही नहीं माना जाता। जब भी किसी राजनेता पर कोई आरोप लगता है तो उसे राजनीति से प्रेरित बता दिया जाता है। बात यहीं नहीं रुकती। आरोप प्रमाणित हो जाने के बाद भी राजनेता अक्सर यही कहते रहते हैं कि उन्हें राजनीतिक कारणों से फंसाया जा रहा है। आज लालू-परिवार यही दुहरा रहा है। दिल्ली की एक अदालत में लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और पुत्र तेजस्वी के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को सुनवाई के लायक घोषित कर दिया है। अब इस संदर्भ में मुकदमा चलेगा, कानूनी दांव-पेंच काम में लिए जाएंगे। कानूनी लड़ाई की एक लंबी चलने वाली एक और कहानी की शुरुआत है यह। लालू परिवार अपराधी है या नहीं, यह तो भविष्य ही बताएगा, पर आज जो सवाल पूछा जा रहा है वह यह है कि

अदालत का यह निर्णय आज ही क्यों आया वैसे तो इसका उत्तर बहुत आसान है। मामला अदालत के विचाराधीन था, आज अदालत ने अपना निर्णय दे दिया। और यह सही भी है। पर अदालत के इस निर्णय के समय को लेकर बातें हो रही हैं। ऐसा नहीं है कि इस निर्णय का अर्थ लालू-परिवार को अपराधी मान लिया जाना होगा। यह तो आने वाला कल ही तय करेगा कि आरोप सही हैं या गलत, लेकिन इस हकीकत को तो स्वीकारना ही होगा कि हमारी राजनीति और अपराध में जब-तब एक रिश्ता दिखने लग जाता है। राजनीति से जुड़े आपराधिक मुकदमे लंबे चलते हैं, उतनी ही लंबी कहानी राजनीति और अपराध के रिश्तों की भी है। ये रिश्ते कभी प्रमाणित होते हैं, कभी नहीं होते। पर राजनीति और अपराध के रिश्तों से इंकार नहीं किया जा सकता।कुछ ही अर्सा हुआ जब चुनाव-अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि देश के तीस मुख्यमंत्रियों में से चालीस प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले चलने की बात स्वीकारी है! यह सही है कि आपराधिक मामला होने का मतलब किसी का अपराधी होना नहीं होता, किसी को अपराधी घोषित करने के लिए उसका अपराध प्रमाणित होना चाहिए। पर गलत यह भी नहीं है कि सारे आरोपों को राजनीतिक कारणों से होने की बात को सहज ही नहीं स्वीकार किया जा सकता। चालीस प्रतिशत मुख्यमंत्रियों द्वारा आपराधिक मामले घोषित करना एक गंभीर बात है। ये सारे मामले छोटे-मोटे अपराधों वाले भी नहीं हैं। सब तरह के आरोप लगते हैं हमारे नेताओं पर, इनमें से लगभग आधे तो फौजदारी मुकदमे हैं। इसका मतलब है इन पर जो आरोप लगे हैं उनमें हत्या, बलात्कार, अपहरण जैसे गंभीर आरोप भी हैं। सवाल सिर्फ मुख्यमंत्रियों तक ही सीमित नहीं है। गली-मोहल्ले के छुटभैये नेताओं से लेकर देश के सर्वोच्च पद पर बैठे नेता तक पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। यह हकीकत अपने आप में बहुत कुछ कह रही है कि आज लोकसभा के 543 सांसदों में से 251 पर, यानी आधे नेताओं पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से पच्चीस से अधिक को दोषी करार दिया जा चुका है! अपराध और राजनीति से जुड़े आंकड़े और भी बहुत कुछ कह रहे हैं। हरियाणा में दस सांसद हैं, इन पर दागदार सवाल हैं।

राहुल गांधी की यात्रा में उठा विवाद हत्यारोपी की कार से गए फतेहपुर

» इनोवा क्रिस्टा कार के मालिक पर पिंटू सेंगर हत्याकांड में है आरोप

» पुलिस ने ली जानकारी से पल्ला झाड़ा, कांग्रेस बोली ट्रैवल एजेंसी की गलती

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी एक नई राजनीतिक मुसीबत में घिरते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को वह चकेरी एयरपोर्ट से फतेहपुर तक जिस इनोवा क्रिस्टा (नंबर यूपी 78 एचवी 8333) से गए थे। यह कार पिंटू सेंगर हत्याकांड के आरोपित वीरेंद्र पाल के नाम पर दर्ज है। यह जानकारी इंटरनेट मीडिया पर आने के बाद पुलिस और सुरक्षा

कार मलिक वीरेंद्र पाल

एजेंसियों में हलचल मच गई। हालांकि, कानपुर पुलिस ने इस मामले की जानकारी न होने की बात कही, जबकि कांग्रेस संगठन ने इसे ट्रैवल एजेंसी की चूक बताया है।

डीसीपी पूर्व सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि मुझे इस घटनाक्रम की कोई जानकारी नहीं है और न ही राहुल गांधी की सुरक्षा की जिम्मेदारी मेरी थी। वहीं, कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने सफाई देते हुए कहा, कि राहुल गांधी हमेशा इनोवा क्रिस्टा में यात्रा करते हैं।

गाड़ी ट्रैवल एजेंसी से बुक की गई थी। गाड़ी के मालिक की पृष्ठभूमि नहीं देखी गई।

यह हमारी पार्टी को बदनाम करने की साजिश भी हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा एजेंसियों ने यात्रा से पहले गाड़ी की कई बार जांच की थी, इसलिए राहुल गांधी की सुरक्षा में कोई कमी नहीं रही।

उधर, जब आरोपित वीरेंद्र पाल से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उनका पक्ष नहीं मिल सका है। 20 जून 2020 को चकेरी थाना क्षेत्र में पिंटू सेंगर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने 15 आरोपितों को जेल भेजा था, जिनमें से मुख्य आरोपित पप्पू स्मार्ट और महफूज अख्तर अभी जेल में हैं, जबकि कुछ आरोपितों को जमानत मिल चुकी है। एक आरोपित तौसीफ उर्फ काकू की जेल में हृदयगति रुकने से मृत्यु हो चुकी है।

निगरानी न होने से सुरार में सरकारी ज़मीन पर दोबारा कब्ज़ा शुरू

» मुकदमा, निगरानी न किए जाने से भू-माफिया फिर सरकारी ज़मीन पर उठा रहें हैं पक्की दीवारें

» लेखपाल ने दी झूठी रिपोर्ट, ग्राम प्रधान ने शिकायत वापस ली, जांच पर मंडरा रहा दबाव

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सदर तहसील के ग्राम पंचायत सुरार में सरकारी ऊसर भूमि पर कब्ज़े और अवैध प्लॉटिंग का मामला अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। सदर एसडीएम के आदेश पर कार्रवाई तो हुई, लेकिन सिर्फ एक आराजी के छोटे हिस्से तक सीमित रह गई। जबकि बाकी ज़मीन पर भू-माफियाओं का कब्ज़ा पहले की तरह कायम है और यही प्रशासनिक ढील अब सवालों के घेरे में है।ग्राम प्रधान पंकज यादव ने पहले वीर बहादुर यादव और महेंद्र यादव नामक भू-माफियाओं पर सरकारी भूमि (आराजी सं. 607, 608, 610, 613) पर कब्ज़ा कर अवैध प्लॉटिंग करने का आरोप लगाया था।

भू माफिया दोबारा कर रहे हैं निर्माण कार्य

तहरीर में मौजूदा लेखपाल अनिल कुमार पर मोटी रिश्वत लेकर भूमाफियाओं के पक्ष में झूठी रिपोर्ट लगाने की बात भी कही गई थी।परंतु अब चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि ग्राम प्रधान ने अचानक अपनी शिकायत वापस ले ली जिससे पूरे प्रकरण पर प्रभावशाली दबाव या सांठगांठ की आशंका और गहरी हो गई है।

नायब तहसीलदार ने दिखाई 'चयनित कार्रवाई', बाकी ज़मीन जस की तस

'स्वराज इंडिया' की पड़ताल में सामने आया कि नायब तहसीलदार रिचा सचान ने केवल आराजी संख्या 608 के एक छोटे हिस्से पर बुलडोज़र चलवाकर उसे कब्ज़ा मुक्त कराया। जबकि अन्य तीन आराजियों (607, 610, 613) की न तो विधिवत जांच हुई और न ही उन्हें माफियाओं से मुक्त कराया गया। गांव के लोगों का कहना है कि बुलडोज़र चलाना सिर्फ औपचारिकता थी ताकि ऊपर की कार्रवाई दिखाने के लिए रिपोर्ट भेजी जा सके।एक ग्रामीण ने बताया, सरकारी ज़मीन पर अब भी बाउंड्री दीवारें खड़ी हैं, निर्माण चल रहा है और कोई रोकने वाला नहीं। प्रशासन बस दिखावा कर रहा है।

लेखपाल की झूठी रिपोर्ट से उजागर हुआ भ्रष्ट नेटवर्क

जब स्वराज इंडिया ने लेखपाल अनिल कुमार से बात की थी तो उन्होंने दावा किया था कि भूमाफिया जिस भूमि पर प्लॉटिंग कर रहे हैं, वह खरीदी गई है। लेकिन नायब तहसीलदार की जांच में यह भूमि सरकारी ऊसर पाई गई, जिस

पर वीर बहादुर यादव का कब्ज़ा था।

यह साबित करता है कि लेखपाल ने जानी-बूझी गलत रिपोर्ट लगाकर सरकारी ज़मीन कब्ज़ाने में मदद की।फिर भी अब तक लेखपाल या माफियाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं हुआ, जो यह संकेत देता है कि विभाग के भीतर से ही भ्रष्टाचार को संरक्षण दिया जा रहा है।

आलोक दुबे कनेक्शन सुरार फिर चर्चा में

सुरार क्षेत्र पहले भी राजस्व विभाग की भ्रष्ट गतिविधियों के कारण सुर्खियों में रहा है। यहीं कुछ वर्ष पहले कानूनगो आलोक दुबे तैनात थे, जिनके खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो ने करोड़ों की संपत्ति और फर्जी रिपोर्ट के मामले में चार्जशीट दाखिल की है।सूत्रों का दावा है कि सुरार की ऊसर भूमि पर कब्ज़े का सिलसिला उन्हीं के कार्यकाल में शुरू हुआ था और अब उसी नेटवर्क से अनिल कुमार जैसे लेखपाल लाभ उठा रहे हैं।

कब्ज़ा अब भी कायम, राजस्व विभाग पर सवाल

भू-माफिया अब भी उसी सरकारी भूमि पर निर्माण कर रहे हैं। कई जगह बाउंड्री वॉल खड़ी कर दी गई है। ग्राम प्रधान के शिकायत वापस लेने के बाद मामला फिर ठंडे बस्ते में जाने की आशंका बढ़ गई है। जबकि जिला अधिकारी सख्त आदेश है कि सरकारी ज़मीन कब्ज़ाने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा, मुकदमे दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि मुकदमा अभी तक दर्ज नहीं हुआ, और भू-माफियाओं के हौसले पहले से कहीं ज्यादा बुलंद हैं।

.. तो क्या रावत मंदिर की गद्दी पर खेली जा रही कोई 'बाजी'

» प्रशासन ने विवाद बढने़ से पहले मंदिर को किया सील

» महंत राममिलन दास की संदिग्ध मौत के बाद सन्नाटा पसरा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

स्वराज इंडिया की पड़ताल

स्वराज इंडिया
अपना प्रदेश
10

अयोध्या में रावत मंदिर के महंत की संदिग्ध हालात में मौत, उठ रहे कई सवाल

दो महीने पहले ही उन्होंने मंदिर की एक बड़ी जुमीन 8 करोड़ में बेची थी

» शिष्य राम बालक दास बोले मेरे गुरु को जहर दिया गया, यह साधु परंपरा पर कलंक

»पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक से मौत होने की पुष्टि, नहीं मिला जहर का सुराग

संत समाज को पीएम रिपोर्ट पर भरोसा नहीं

इन सवालों के जवाब अभी बाकी

अयोध्या।रावत मंदिर में महंत राममिलन दास की संदिग्ध मौत के बाद जो सन्नाटा पसरा था, अब वह धीरे-धीरे सत्ता, संपत्ति और साधु राजनीति के शोर में बदल रहा है। मंदिर सील होने के बाद भी इसके भीतर की हलचल थमी नहीं है बल्कि अब यह विवाद गद्दी के उत्तराधिकार पर आकर टिक गया है।

स्वराज इंडिया की पड़ताल में यह सामने आया है कि राममिलन दास के निधन से पहले ही मंदिर के अंदर दो गुट सक्रिय थे एक गुट चाहता था कि उनके प्रमुख शिष्य भक्तिभूषण दास को उत्तराधिकारी घोषित किया जाए, जबकि दूसरा गुट किसी बाहरी प्रभावशाली महंत को गद्दी पर बैठाने की कोशिश में था। इसी खींचतान के बीच अचानक राममिलन दास की मौत हुई, और प्रशासन ने विवाद बढने़ से पहले मंदिर को सील कर दिया।

बता दें कि रावत मंदिर सिर्फ धार्मिक महत्व का केंद्र नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी बेहद संपन्न मठ माना जाता है। मंदिर से जुड़ी करीब 25 बीघे जमीन, दान-पात्र में प्रतिदिन चढने़ वाला चांदी-सोना और दक्षिणा इन सब पर अब उत्तराधिकार की लड़ाई गर्मा गई है। सूत्रों का दावा है कि कुछ स्थानीय नेताओं की नजर भी मंदिर की जमीन पर है। जहां महंत बालकनाथ और महंत कमला दास रामायणी ने खुलकर कहा कि राममिलन दास का उत्तराधिकारी उनके शिष्य को ही बनना चाहिए, वहीं महंत परशुराम दास का कहना है कि गद्दी किसी योग्य संत को मिले, न कि चेलों को विरासत में। इन बयानों से अयोध्या के अखाड़ों में गहरा विभाजन दिखने लगा है।

प्रशासन मौन, लेकिन निगाहें पैनी

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जब तक विवाद शांत नहीं होता, मंदिर सील रहेगा। मगर सवाल यह भी उठ रहा है कि अगर मौत स्वाभाविक थी, तो यह 'असामान्य सीलिंग' आखिर क्यों? क्या यह सिर्फ विवाद रोकने की कवायद है या राजनीतिक संरक्षण प्राप्त किसी गुट को बढ़त देने की तैयारी? स्वराज इंडिया ने मंदिर के आस-पास के दुकानदारों, सेवादारों और नजदीकी संतों से बातचीत की। कुछ का कहना है कि मौत से पहले राममिलन दास कई दिनों से दबाव में थे। एक सूत्र ने बताया महंत जी पर गद्दी को लेकर दबाव था, पर वे किसी को खुलकर कुछ नहीं बताते थे। उनके निधन के बाद सबकुछ तेजी से बदला। अब जबकि मंदिर के दरवाजों पर ताला और संतों के माथे पर शिकन दोनों दिख रहे हैं अयोध्या पूछ रही है क्या यह सिर्फ मौत की कहानी है या मंदिर की गद्दी पर खेली जा रही कोई बड़ी बाज़ी?

मंदिर के खजाने पर बैठा था काला सांप

बांके बिहारी मंदिर का मामला: डर के भागी टीम...वनकर्मियों ने किया रेस्क्यू

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मथुरा। वृंदावन के ठाकुर श्रीबांकेबिहारी महाराज के मंदिर के तोशखाने (खजाना) को खोलने के लिए टीम पहुंच गई है। टीम के सदस्यों ने मंदिर में प्रवेश के बाद प्रक्रिया बताई, तो गोस्वामी हंगामा करने लगे। वृंदावन के ठाकुर श्रीबांकेबिहारी जी महाराज के मंदिर में पिछले 54 वर्षों से बंद पड़े तोशखाने (खजाना) का रहस्य वर्षों से गहराया हुआ है। सेवायतों और भक्तों की वर्तमान पीढ़ी के तमाम आग्रह एवं अदालत के प्रयासों के बावजूद खजाना नहीं खोला जा सका है।

लेकिन अब हाई पावर्ड मंदिर प्रबंधन कमेटी के आदेश पर धनतेरस पर आज ये खजाना खोला जा रहा है। टीम मंदिर के अंदर प्रवेश कर चुकी है। वहीं गोस्वामी हंगामा कर रहे हैं। उनकी मांग है कि ताशखाने के अंदर जो भी प्रक्रिया की जा रही है, उसे मंदिर के बाहर स्क्रीन लगाकर लाइव किया जाए।

अंतिम बार 1971 में खोला गया तोशखाना

इतिहासकार के अनुसार वर्ष 1971 में तत्कालीन मंदिर प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष प्यारेलाल गोयल के नेतृत्व में अंतिम बार तोशखाना खोला गया था। ऐसे में कुछ सामान एक सूची बनाकर संपूर्ण सामान को एक बक्से में सील सहित बंद कर मथुरा की भूतेश्वर स्थित स्टेट बैंक में जमा कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि मौजूदा मंदिर के निर्माण के वक्त इसमें पूजित करके खजाना स्थापित किया गया था। उसके बाद ठाकुरजी पर चढ़ाए गए पन्ना निर्मित मयूराकृति हार सहित अनेक आभूषण, चांदी, सोने के सिक्के, भरतपुर, करौली, ग्वालियर आदि रियासतों द्वारा प्रदत दान-सेवा पत्र भी रखे गए थे। श्रीबिहारीजी के दाहिने हाथ की ओर बने दरवाजे से करीब दर्जनभर सीढ़ी उतरने के बाद बायें ओर की तरफ ठाकुरजी के सिंहासन के एकदम बीचों बीच तोशखाना स्थापित है ब्रिटिश शासनकाल के दौरान 1926 और 1936 में दो बार चोरी भी हुई थी। इन चोरियों की घटनाओं की रिपोर्ट के चलते 4 लोगों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की गई थी। चोरी के बाद गोस्वामी समाज ने तहखाने का मुख्य द्वार बंद करके सामान डालने के लिए एक छोटा सा मोखा (मुहाना) बना दिया था। वर्ष 1971 अदालत के आदेश पर खजाने के दरवाजे के ताले पर सील लगा दी गई थी। वर्ष 2002 में मंदिर के तत्कालीन रिसीवर वीरेंद्र कुमार त्यागी को कई सेवायतों ने हस्ताक्षरित ज्ञापन देकर तोशखाना खोलने का आग्रह किया था। वर्ष 2004 में मंदिर प्रशासन ने गोस्वामीगणों को निवेदन पर पुनः तोशखाना खोलने के कानूनी प्रयास किए थे, लेकिन वह भी असफल रहे।

सीएम योगी की फोटो वाली पट्टिका हटवाने पर एएमयू छात्र व उसके साथियों पर मुकदमा दर्ज

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अलीगढ़। एएमयू में सोलर लाइट पर सीएम योगी की फोटो वाली पट्टिका को हटवाने के मामले में एएमयू के छात्र और अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा लिखा गया है। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी कैंपस में सोलर लाइट के खंभे पर लगी सीएम योगी आदित्यनाथ की फोटो वाली पट्टिका को हटाने के मुद्दे ने नया मोड़ ले लिया है। पुलिस ने एएमयू के छात्र और उसके साथियों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एएमयू में सीएम योगी के फोटो वाली पट्टिका हटवाने पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की ओर से मुकदमा लिखा गया है। जिसमें दो दिन पहले हुए घटनाक्रम पर एएमयू छात्र मो. रेयान व उसके अज्ञात साथियों पर सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। मुकदमे में पब्लिक प्रोपर्टी डैमेज एक्ट के तहत तस्वीर हटाने व ठेकेदार से अभद्रता करने का आरोप लगाया गया है।

एएमयू के पूर्व कुलपति और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो. तारिक मंसूर ने अपनी एमएलसी निधि से एएमयू में इंजीनियर कॉलेज वाले हिस्से में 16 सोलर लाइटें लगवाई थीं। इन लाइटों पर पट्टिका भी लगाई गई जिस पर उल्लेख था कि यह लाइटें किस निधि से और किसके सौजन्य से लगाई गई हैं। एक साइड में मुख्यमंत्री की फोटो भी है। इसी को लेकर 16 अक्तूबर को एएमयू के कुछ छात्रों ने एतराज करते हुए हंगामा कर दिया। छात्रों ने सीढ़ी लगाकर एक लाइट से वह पट्टिका उतरवाई। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया। जिस पर हंगामा भी हुआ।

पुखरायां में पुलिस का फ्लैगमार्च अराजकतत्वों पर कड़ी नजर

एसपी श्रद्धा पांडेय ने फोर्स के साथ की पैदल गश्त, सर्राफा बाजार की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष नजर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। दीपावली के मद्देनजर जनपद में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने थाना भोगनीपुर क्षेत्र के कस्बा पुखरायां में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त की। एसपी ने कस्बे में स्थित बैंकों और सर्राफा बाजार की दुकानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से जांच की। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों और बैंक कर्मचारियों से बातचीत कर उन्हें सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की।

फोर्स के साथ गश्त करतीं एसपी श्रद्धा पांडेय

पैदल गश्त के दौरान एसपी श्रद्धा पांडेय ने अधिकारियों व पुलिसकर्मियों को शांति, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में किसी भी स्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा त्योहारों में शांति और सौहार्द बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानकारी तुरंत डायल 112 या नजदीकी थाना/चौकी को दें।इस मौके पर क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर, थानाध्यक्ष भोगनीपुर सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। इसी क्रम में जनपद के सभी क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते नजर आए।

विधायक के गेस्ट हाउस से सटे आवास में लाखों की चोरी

» घटना के बाद से आरोपी फॉलोअर फरार, रसूलाबाद में बढ़ती चोरियों से दहशत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाओं से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। ताजा मामला विधायक पूनम संखवार के गेस्ट हाउस से सटे आवास का है, जहां चोरी की वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई।विधायक के कार्यालय प्रभारी गौरव सिंह ने रसूलाबाद थाने में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

तहरीर के अनुसार, गोपालपुर मोड़ स्थित विधायक पूनम संखवार के निजी गेस्ट हाउस से लगे आवास का दरवाजा खोलने पर 10 अक्टूबर की सुबह कमरे में रखा सामान बिखरा हुआ मिला। जांच करने पर पता चला कि सोने के चार कड़े, एक सोने की अंगूठी, एक कलाई घड़ी, लेडीज़ पर्स जिसमें करीब डेढ़ लाख रुपये नकद और जरूरी कागजात रखे थे, सभी गायब हैं। गौरव सिंह ने आरोप लगाया कि चोरी की वारदात उनके ही आवास पर रहने वाले फॉलोअर आनंद पाल पुत्र जगत सिंह निवासी सिंहपुर झींझक ने की है, क्योंकि घटना के बाद से उसका मोबाइल फोन बंद है और वह ड्यूटी पर नहीं पहुंचा। घटना से क्षेत्र में हडक़ंप मचा हुआ है। लोगों का कहना है कि जब विधायक के घर पर इतनी बड़ी चोरी हो सकती है तो आम नागरिक कितने सुरक्षित हैं। थाना प्रभारी रसूलाबाद ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने फॉलोअर आनंद पाल की तलाश में दबिशें दी हैं।

गुरुकुल स्कूल पर मनमानी फीस वसूलने के आरोप, जांच के आदेश

» बिना मान्यता के चल रही पीजी कक्षाएं, अभिभावकों से जबरन वसूली करने की शिकायत

» जिला पंचायत सदस्य स्वाती ने की शिकायत, बीईओ को 3 दिन में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले में बिना मान्यता के संचालित हो रहे स्कूलों पर प्रशासन की कार्रवाई सुस्त पड़ती दिख रही है। शाहजहांपुर के गुरुकुल विद्यालय पर मनमाने ढंग से फीस वसूली और बिना मान्यता के पीजी कक्षाएं संचालित करने के गंभीर आरोप लगे हैं। इस प्रकरण में जिला पंचायत सदस्य स्वाती दिवाकर ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा को शिकायत पत्र दिया है।

शिकायत में कहा गया है कि विद्यालय प्रबंधन छात्रों के अभिभावकों पर प्राइवेट प्रकाशन की महंगी किताबें और ड्रेस एक निर्धारित दुकान से ऊंचे दामों पर खरीदने का दबाव बनाता है। शिकायतकर्ता के अनुसार, स्कूल संचालक न केवल मनमानी फीस वसूल रहे हैं, बल्कि बिना मान्यता के पीजी स्तर की कक्षाएं भी चला रहे हैं।

शिकायत के संज्ञान में आते ही बीएसए अजय मिश्रा ने खंड शिक्षा अधिकारी (अमरौधा) को जांच सौंपी है। उन्होंने तीन दिन के भीतर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। बीएसए ने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाए जाने पर विद्यालय के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 l **Email:** swarajindia2023@gmail.com l **Mob:** 7800009853, l **Website:** www.swarajindianews.com l (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

डीएम की अफसरों को चेतावनी
जनपद की रैंक गिरी तो खैर नहीं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक के दौरान सीएम डैशबोर्ड में विभागीय रैंक, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, आईजीआरएस और एक करोड़ से अधिक की निर्माणाधीन परियोजनाओं की गहन समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने साफ चेतावनी दी कि यदि जनपद की रैंक गिरी तो जिम्मेदार अधिकारियों की खैर नहीं होगी।

» **सीएम डैशबोर्ड समीक्षा बैठक में डीएम कपिल सिंह ने विभागों को दी हिदायत**

» **निर्माणाधीन परियोजनाओं में मानक से समझौता या लापरवाही पर होगी कार्रवाई**

डीएम ने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना, नई सडक़ों का निर्माण, अनुरक्षण, सेतु निर्माण, फैमिली आईडी, एनआरएलएम, पंचायतीराज के वित्त आयोग सहित अन्य योजनाओं की प्रगति बेहद धीमी है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि रैंक सुधारना सर्वोच्च प्राथमिकता है फाइलों पर नहीं, मैदान पर काम दिखना चाहिए ।नई सडक़ों के निर्माण कार्यों की समीक्षा में संतोषजनक प्रगति न मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और विभागीय रैंक में सुधार न होने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वन विभाग और विद्युत से जुड़े अवरोधों को तत्काल निपटाकर कार्य पूर्ण कराएं।

पीएम सूर्य घर योजना में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति न होने पर उन्होंने पीओ नेडा पर नाराजगी जताई और कहा कि सभी विभागीय समन्वय से निर्धारित लक्ष्य पूर्ण करें ।जिलाधिकारी ने जनपद की एक करोड़ से अधिक की निर्माणाधीन परियोजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी कार्य गुणवत्ता और मानक के अनुसार कराए जाएं और संबंधित कार्यदायी संस्थाएं हैंडओवर रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करें।

अकबरपुर में निर्माणाधीन रजिस्ट्रार बिल्डिंग के कार्य की धीमी प्रगति पर जेई से स्पष्टीकरण मांगा और शासन को पत्र भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एई की निगरानी में गुणवत्ता युक्त कार्य पूर्ण कर हैंडओवर की कार्यवाही की जाए।

आईजीआरएस और हेल्पलाइन संदर्भों पर भी फटकार

बैठक में जिलाधिकारी ने आईजीआरएस और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए कई विभागों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्ण हो और शिकायतकर्ता से फीडबैक लेकर पोर्टल पर अपलोड किया जाए।

डीएम ने चेतावनी दी डिफाल्टर होने से पूर्व ही शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई तय है।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन, एडीएम वित्त एवं राजस्व दुष्यंत मौर्य, सीएमओ डॉ. ए.के. सिंह, डीएफओ ए.के. पांडेय, जिला विकास अधिकारी सुनील तिवारी, परियोजना अधिकारी वीरेंद्र सिंह, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी प्रतिभा सिंह सहित सभी विभागीय अधिकारी और कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

ट्रेन में बम की झूठी सूचना से मचा हडक़ंप
जीआरपी ने दो युवकों को दबोचा

आम्रपाली एक्सप्रेस में सीट विवाद से नाराज युवकों ने फैलाई दहशत, स्टेशन पर मची अफरा-तफरी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर ।त्योहारों के सीजन में जहां रेलवे प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा को लेकर अलर्ट है, वहीं दो शरारती युवकों ने बम की झूठी सूचना देकर कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर हडक़ंप मचा दिया। जीआरपी ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया ।जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह के अनुसार, घटना देर रात ट्रेन संख्या 15708 आम्रपाली एक्सप्रेस की है। ट्रेन में सीट को लेकर दो यात्रियों का अन्य यात्रियों से विवाद हो गया था। इसी दौरान गुस्से में आकर दोनों ने रेलवे हेल्पलाइन पर फोन कर बम होने की झूठी सूचना दे दी ।सूचना मिलते ही कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई।

जीआरपी, आरपीएफ, रेलबाजार थाना पुलिस, एसीपी कैंट और बीडीएस टीम ने प्लेटफॉर्म नंबर-8 पर ट्रेन को रोककर तीन बार सघन जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जांच में यह सूचना पूरी तरह झूठी पाई गई ।पुलिस ने कॉल ट्रेस कर दोनों आरोपियों की पहचान की और स्टेशन के फुटओवर ब्रिज के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के नाम अंकित सिंह चौहान और दीपक सिंह निवासी ग्राम राहा, थाना घाटमपुर, कानपुर नगर हैं। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि सीट न मिलने और झगड़े के बाद उन्होंने सामने वाले यात्री को फंसाने के लिए झूठी सूचना दी थी। पुलिस ने उनके पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की कार्रवाई जारी है।

आंगनबाड़ी केंद्र में शुरू हुई सहजन पोषण योजना

» सहजन का नियमित सेवन शरीर में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति में सहायक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। ब्लॉक अकबरपुर के तिगाई गांव स्थित प्रथम आंगनबाड़ी केंद्र में कुपोषण से निपटने के लिए एक सराहनीय पहल की शुरुआत की गई है। केंद्र की मास्टर ट्रेनर शैलेश दीक्षित ने बताया कि अब फोकस गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं पर रहेगा ताकि पोषण की कमी को जड़ से खत्म किया जा सके।

शासन व प्रशासन के निर्देशानुसार चल रहे पोषण अभियान के तहत तिगाई केंद्र में पोषण गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर शैलेश दीक्षित ने बताया कि सहजन

कुपोषण से निपटने की कारगर पहल

(मोरिंगा) कुपोषण से लडऩे का एक महत्वपूर्ण साधन बन सकता है। उन्होंने कहा कि सहजन की पत्तियों को सुखाकर उनका पाउडर तैयार किया जा रहा है, जिससे अचार, लड्डू, पुआ आदि बनाकर बच्चों, महिलाओं और किशोरियों को दिया जाएगा ताकि उन्हें पर्याप्त पोषण मिल सके।उन्होंने बताया कि सहजन का नियमित सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, हड्डियों को मजबूत बनाने तथा शरीर में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति में सहायक है। इस अवसर पर समूह की अध्यक्ष विमलेश व शिखा ने भी उपस्थित महिलाओं को सहजन के गुणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में सोनम, आकांक्षा, मनोज, मुस्कान, सबीना सहित कई ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं। यह पहल ग्रामीण क्षेत्र में कुपोषण से लड़ाई को नई दिशा देने की उम्मीद जगाती है।

डीएम की अध्यक्षता में समाधान दिवस

उमड़ी फरियादियों की भीड़, समस्याओं के निस्तारण का निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर।नरवल तहसील के सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया है। धनतेरस की तैयारियों के बीच भी तहसील परिसर में राजस्व से जुड़े मामलों को लेकर फरियादियों की भीड़ उमड़ी है।कानपुर में धनतेरस पर्व और दीपावली की तैयारियों के बीच भी पीड़ितों को राहत देने के लिए आज संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया है। नरवल तहसील के सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में फरियादियों की शिकायतों को सुना जा रहा है।त्योहारी सीजन होने के बावजूद तहसील परिसर में पीड़ितों की बड़ी संख्या में भरमार है। समाधान दिवस में आने वाले ज्यादातर मामले राजस्व जैसे भूमि विवाद, पैमाइश आदि से जुड़े हुए हैं। जिलाधिकारी ने मौके पर ही संबंधित विभागों को शिकायतों के त्वरित और गुणवतापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

हेलीकॉप्टर से आएंगे प्रभु राम-सीता अयोध्यावासी करेंगे फूलों की बारिश

राम नगरी अयोध्या में 9वां दीपोत्सव कल, दिखाई देगा दिव्यता और भव्यता का संगम

» मुख्यमंत्री योगी करेंगे सरयू आरती, दीपकों की सजावट का रचेगा नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

» 22 झांकियां, लेजर शो, ड्रोन शो और आतिशबाज़ी से नहाएगा रामनगरी का आकाश

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की नगरी एक बार फिर दीपों की रोशनी से जगमगाने को तैयार है। 19 अक्टूबर (रविवार) को आयोजित होने वाला अयोध्या का 9वां दीपोत्सव इस बार और भी अधिक भव्य एवं दिव्य होगा। मंडलायुक्त राजेश कुमार, आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर व सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह लगातार व्यवस्थाओं का जायज़ा ले रहे हैं। मजिस्ट्रेटों और पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी तय कर दी गई है, और सुरक्षा को लेकर विशेष ब्रीफिंग दी जा रही है।

साकेत महाविद्यालय से सुबह 10 बजे 22 झांकियां रवाना होंगी जिनमें पर्यटन विभाग की सात झांकियां रामायण थीम पर आधारित होंगी। सूचना विभाग की 14 झांकियां विकास कार्यों की झलक दिखाएंगी, जबकि अयोध्या विकास प्राधिकरण की एक झांकी आकर्षण का केंद्र होगी। रामकथा पार्क पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ झांकियों का अवलोकन करेंगे।

इसी दौरान हेलीकॉप्टर से राम-सीता स्वरूपों का आगमन होगा, जिन पर पुष्पवर्षा के साथ प्रतीकात्मक राज्याभिषेक किया जाएगा।

2100 लोगों के साथ सरयू आरती

रामकथा पार्क कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री सरयू आरती में शामिल होंगे। 2100 मातृशक्तियां, विद्यार्थी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि सामूहिक रूप से आरती करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री राम की पैड़ी पर दीप प्रज्वलित करेंगे, जिनकी गणना गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम द्वारा की जाएगी। रात में लेजर शो, ड्रोन शो और आतिशबाज़ी का मनोहारी दृश्य अयोध्या के आकाश को रंग देगा। शनिवार को सभी विभागीय व्यवस्थाओं का रिहर्सल होगा।

20 अक्टूबर को भी लेजर शो

डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि 20 अक्टूबर को भी लेजर शो का विशेष आयोजन आम जनता के लिए किया जाएगा, ताकि वे भी दीपोत्सव की दिव्यता का आनंद उठा सकें। उन्होंने यह भी बताया कि सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा दीपोत्सव का सजीव प्रसारण दूरदर्शन, यूट्यूब और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर किया जाएगा, जिससे देश-विदेश के श्रद्धालु इस आयोजन के साक्षी बनेंगे।

अयोध्या

रुदौली की लेडी डॉक्टर ने पेश की

नई मिशाल, एक दिन में 12 ऑपरेशन

» डॉ. फातिमा ने कर दिखाया वो जो बड़े अस्पतालों के लिए भी चुनौती है

» जहां बाकी अस्पतालों में डॉक्टर 'ऑन पेपर', वहीं रुदौली में ड्यूटी बनी पूजा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सरकारी अस्पतालों की छवि पर अक्सर जो धूल जमी रहती है उसे रुदौली सीएचसी की अधीक्षक डॉ. फातिमा हसन ने अपने कर्म से झाड़ डाला। शुक्रवार का दिन चिकित्सा जगत के लिए मिसाल बन गया, जब एक ही दिन में 12 सफल सीजर ऑपरेशन कर उन्होंने और उनकी टीम ने वह कर दिखाया, जो अब तक कागज़ी योजनाओं और फाइलों के ढेर में ही दम तोड़ता रहा था।

सुबह से देर रात तक चले इस 'सेवा अभियान' में डॉ. धर्मेंद्र राव, डॉ. परवीन मौर्य, स्टाफ नर्स शशि, रंजना, टेक्नीशियन संदीप, वार्ड आया परवीन बानो, और सहयोगी चंद्र बहादुर यादव कंधे से कंधा मिलाकर जुटे रहे। नतीजा 12 माताएं सुरक्षित, 12 नवजीवनों का जन्म और सरकारी सिस्टम की लाज बची।

जहां बाकी डॉक्टर वॉट्सऐप ग्रुप में ड्यूटी निभाते हैं, वहीं रुदौली में इस नज़ारे ने पूरे जिले के स्वास्थ्य महकमे को आईना दिखा दिया है।

क्योंकि जहां कुछ अस्पतालों में डॉक्टरों की ड्यूटी सिर्फ वॉट्सऐप ग्रुप में दिखाई देती है, वहीं डॉ. फातिमा ने ऑपरेशन थिएटर को कर्मस्थल बना दिया। गौरतलब है कि डॉ. फातिमा पहले सीएचसी सोहावल में थीं, जहां गुटबाजी और राजनीतिक दखल के बीच उन्होंने ईमानदारी से काम किया, लेकिन सिस्टम ने उन्हें रोका।

रुदौली में पदस्थापना के बाद उन्होंने न सिर्फ़ सिस्टम को जवाब दिया, बल्कि यह साबित कर दिया कि अगर डॉक्टर चाह ले तो सरकारी अस्पताल भी 'एम्स' बन सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है सरकारी अस्पताल में ऐसा दिन कभी नहीं देखा। हर प्रसूता सुरक्षित, हर मां मुस्कुराती हुई ये किसी चमत्कार से कम नहीं।

सीएमओ बोले, गर्व की बात है

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील कुमार बानियान ने कहा डॉ. फातिमा और उनकी टीम ने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को सम्मान दिलाया है। यह सेवा और समर्पण की मिसाल है।

रक्षा मंत्री संग सीएम योगी ने मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई

समूचा पाकिस्तान ब्रह्मोस की रेंज में: राजनाथ सिंह

कहा- ऑपरेशन सिंदूर तो बस ट्रेलर था, सबको हो गया भरोसा

अब नहीं बच पाएंगे विरोधी, यूपी में युवाओं को मिलेगा रोजगार

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया न्यूज।

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई से तैयार की गई ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को शनिवार को हरी झंडी दिखाई। यह दिन उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) के लिए मील का पत्थर साबित होगा। भारत के रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता के संकल्प को भी नई ऊर्जा भी देगा।

दुनिया की सबसे तेज और घातक सटीक प्रहार क्षमता वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली की निर्माता ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ की नई इंटीग्रेशन एंड टेस्ट सुविधा से मिसाइल की पहली खेप तैयार कर ली है। यह अत्याधुनिक इकाई 11 मई को उद्घाटन के बाद पूरी तरह संचालन में आई थी। वहीं, इस दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आज का दिन उत्तर प्रदेश की जनता के लिए महत्वपूर्ण दिन है। लखनऊ डिफेंस सेक्टर में अहम भूमिका निभा रहा है। मैंने पांच महीने पहले ब्रह्मोस यूनिट का उद्घाटन किया था। आज उसकी पहली खेप रवाना कर दी गई। यह आम बात नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि जीत अब हमारी आदत बन चुकी है।

राजनाथ सिंह ने कहा, दुनिया ने भारत की ताकत को माना है। देश को ये विश्वास है कि अब हम बहुत मजबूत हो चुके हैं। मैं बता दूं कि जब भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, अब आगे आप लोग समझदार हैं। पाकिस्तान का हर इंच ब्रह्मोस की रेंज में है। ऑपरेशन सिंदूर तो बस ट्रेलर था। ब्रह्मोस तीनों सेनाओं की रीढ़ है। यह यूनिट देश की बढ़ती ताकत की पहचान है। देश के किसी भी हिस्से में ब्रह्मोस की चर्चा करते हैं, तो उनमें में विश्वास दिखता है। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक इसकी तारीफ करते नहीं थकते। ये विश्वास ही हमारी ताकत है।

बूस्टर डॉकिंग प्रक्रिया देखी

कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री बूस्टर डॉकिंग प्रक्रिया देखी। इसी क्रम में ब्रह्मोस सिम्युलेटर उपकरणों का प्रस्तुतीकरण भी होगा। इसके अलावा पौधरोपण कार्यक्रम पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान, महानिदेशक (ब्रह्मोस) डॉ. जयतीर्थ आर जोशी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक चेक और जीएसटी बिल सौंपा, जिससे राज्य सरकार को राजस्व प्राप्त होगा। ब्रह्मोस मिसाइलों के उत्पादन से उत्तर प्रदेश में उच्च कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

जहां भी डिफेंस लैंड की जरूरत होगी... हम दिल खोलकर देंगे

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा, ये हमारे लिए खुशी का क्षण है। मेरे लिए खासतौर से। क्योंकि ये स्वदेशी तकनीक पर आधारित मिसाइल है। हमको प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया के संकल्प को पूरा करने और रक्षा मंत्री की उपस्थिति में स्वदेशी तकनीक पर आधारित ब्रह्मोस मिसाइल के पहले बैच को हरी झंडी दिखाने का मौका मिला। यह मिसाइल भारत की रक्षा आवश्यकताओं में आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

54 साल लंबे इंतजार बाद बांके बिहारी मंदिर का खुला खजाना

तोष खाना को देखकर भक्त-सेवादार सब चकरा गए

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मथुरा। वृंदावन के ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के 54 साल से बंद पड़े तोष खाना (खजाना कक्ष) के खुलने से भक्तों और सेवायतों में जो उम्मीद जगी थी, वह निराशा में बदल गई। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर कमेटी की निगरानी में जैसे ही यह ऐतिहासिक कक्ष खोला गया, अंदर से सिर्फ लकड़ी का एक खाली बक्सा बरामद हुआ।

वृंदावन के बांकेबिहारी मंदिर का शनिवार को खजाना खुला। इसमें से अब तक एक लकड़ी का संदूक, टूटे कुंडे, तीन देग, तीन बड़े कलश, एक परात, 4 बड़े पत्थर गोलाकार, एक तख्त बड़ा लकड़ी का मिला। वहीं संदूक में दो बक्से गहने रखने वाले, 2 फरवरी 1970 का पत्र, एक चांदी का छोटा सा छत्र मिला है।

कमेटी के सदस्यों ने वीडियोग्राफी के साथ जब तोष खाने के अंदरूनी हिस्सों का निरीक्षण किया, तो पता चला कि कीमती आभूषणों या सोने-चांदी के असाला की जगह कक्ष में मलबा (डेबरिस) पड़ा हुआ था। लकड़ी का जो बक्सा मिला, वह भी पूरी तरह खाली था।

मंदिर के अंदर मौजूद संपत्ति को लेकर कई सेवायतों का पहले ही यह दावा था कि 1971 में जब पिछली बार तोष खाना खोला गया था, तब ठाकुर जी के अमूल्य आभूषणों को सूची बनाकर भूतेश्वर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के लॉकर में सुरक्षित रख दिया गया था। तोष खाने के अंदर खाली बक्सा और मलबा मिलने के बाद यह बात सही साबित होती दिख रही है।

» गोस्वामी समाज का दावा सही साबित हुआ, किया हंगामा।

वृंदावन के ठाकुर श्रीबांकेबिहारी जी महाराज के मंदिर में पिछले 54 वर्षों से बंद पड़े तोशखाने (खजाना) का रहस्य वर्षों से गहराया हुआ है। सेवायतों और भक्तों की वर्तमान पीढ़ी के तमाम आग्रह एवं अदालत के प्रयासों के बावजूद खजाना नहीं खोला जा सका है, लेकिन अब हाई पावर्ड मंदिर प्रबंधन कमेटी के आदेश पर धनतेरस पर आज ये खजाना खोला जा रहा है। टीम मंदिर के अंदर प्रवेश कर चुकी है। वहीं गोस्वामी हंगामा कर रहे हैं। उनकी मांग है कि ताशखाने के अंदर जो भी प्रक्रिया की जा रही है, उसे मंदिर के बाहर स्क्रीन लगाकर लाइव किया जाए।

खजाना 54 वर्षों से बंद पड़ा था, ऐसे में अंदर क्या है इस बारे में किसी को भी जानकारी नहीं थी। जब खजाने का दरवाजा खोला गया तो धूल और गंदगी के साथ गैस भी बन गई थी। ऐसे में टीम को काफी सावधानी के साथ अंदर प्रवेश करना पड़ा। फांवड़ा चलाकर मिट्टी को हटाया गया। इसी दौरान काला सांप निकल आया, जिससे कार्य कुछ देर के लिए प्रभावित हुआ। सांप के डर की वजह से टीम वहां से भाग खड़ी हुई। वन विभाग की टीम को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे वनकर्मियों ने सांप को खजाने के अंदर से रेस्क्यू किया। इसके बाद टीम फिर से खजाने के अंदर घुसी। सामान निकालने का कार्य शुरू किया गया।

दीपावली से पहले मिला तोहफा

पाकिस्तानी मूल की युवती को मिली भारतीय नागरिकता

अब पूनम का मायके जाने का सपना होगा पूरा

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

रामपुर। रामपुर के वीपी कॉलोनी की रहने वाली पूनम के लिए दीवाली से पहले ही भारतीय नागरिकता का तोहफा मिल गया है। अप्रैल में किए गए आवेदन के बाद पांच महीने के अंदर ही भारतीय नागरिकता मिल गई है। पूनम का कहना है कि वह 12 सालों से वह अपने माता-पिता से मिलने को तरस रही थीं। उनका यह सपना अब जल्द पूरा होने वाला है। इस नागरिकता के बाद दोबारा मायके जाने की उम्मीदें जुड़ी है। हालांकि, पूनम के भाई को साल 2016 में नागरिकता मिल चुकी है।

सिविल लाइंस स्थित बीपी कालोनी के रहने वाले पुनीत कुमार किराना कारोबारी हैं। 2005 में उनकी शादी पाकिस्तान स्थित पेशावर के पास स्वात वैली निवासी चाय पत्ती के कारोबारी दीनानाथ की बेटी पूनम के साथ हुआ था। पूनम ने इंटर तक की पढ़ाई पाकिस्तान में ही की है। 2004 में उनके पिता ने अपने परिवारीजनों के साथ भारत में बसने का फैसला किया था। जिसके बाद उन्होंने अपने बेटे गगन चावला के साथ बेटी पूनम को दिल्ली भेजा था। पूनम यहां अपनी बुआ के घर रहने लगी थी।

इस बीच उसकी शादी रामपुर निवासी पुनीत के साथ हो गई। लेकिन, परिवारिक कारणों से पूनम का परिवार पाकिस्तान में ही रहने लगा। इसके बाद वह 2013 तक पाकिस्तानी पासपोर्ट के जरिये माता-पिता से मिलने मायके जाती रहीं। लेकिन इसके बाद उसके पासपोर्ट के नवीनीकरण की तिथि निकल गई। इस वजह से उसका न तो वीजा बना और न ही वह पाकिस्तान जा सकी। तब से वह लगातार भारत की नागरिकता पाने के लिए परेशान थीं। पूनम ने बताया कि आधार कार्ड और उसके बाद पासपोर्ट बनवाएंगी। दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधरते ही अपने मायके होकर आएंगी। बताया कि नागरिकता न होने के कारण आज तक उनका न तो बैंक में खाता खुला और न ही मतदाता पहचानपत्र ही बना।